संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती
Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

विद्याशाखा: मानवविज्ञान
Faculty: Humanities

शैक्षणिक वर्ष - 2024-25
Session - 2024-25

दो वर्षीय-चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ति 2024)
Two Years-Four Semesters Master's Degree Programme (NEPv 24)

अभ्यासक्रम: वाङ्.मय पारंगत अनुवाद हिंदी /एम.ए.(अनुवाद हिंदी) द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र
Syllabus Programme: M.A.Translation Hindi Second Year (Semester-III)

भाग - अ (Part - A)

पाठयक्रम की निष्पत्ति (Pos) :

1) अनुवाद हिंदी पाठयक्रम से छात्र अध्ययन की योजना बनाकर किसी अभिष्ट की सिद्धि प्राप्त करने में सक्षम होंगे।
2) राष्ट्रभाषा हिंदी के अध्ययन से छात्रों में राष्ट्रभाषा के प्रति अभिरूचि निर्माण होगी।
3) अनुवाद के माध्यम से छात्र हिंदी भाषा को सामाजिक-सांस्कृतिक धरातल पर वैश्विकता की ओर ले जाने में सक्षम होंगे।
4) इस पाठयक्रम से छात्रों में भाषाओं के तुलनात्मक अध्ययन की चिकित्सक वृत्ति विकसित होगी।
5) समाज में राष्ट्रभाषा का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार होकर, शिक्षार्थी नवीनतम आयाम, तथ्य, विचार, मान्यता, मूल्य के साथ आदर्श समाज का सुदृढ़ नागरिक बन सकेंगे।
6) इस पाठयक्रम के माध्यम से छात्र शिक्षा एवं समाज दोनों के उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकेंगे।
7) छात्र संस्कृति एवं सभ्यता की विशिष्टता, मौलिकता, करणीय एवं अकरणीय, कर्तव्य, जीवनादर्शों का ज्ञान प्राप्त कर अपनी सृजनात्मक प्रतिभा द्वारा समर्पित होकर कार्य कर सकेंगे।
8) छात्र अध्ययन द्वारा सहगामी क्रियाओं में भाग लेकर, विभिन्न अनुभवों को अर्जित कर उसकी अंतर्दृष्टि को प्रखर बनायेंगे।
9) अनुवाद के माध्यम से छात्र को विभिन्न भाषाओं की नवीनतम जानकारी प्राप्त होगी।
10) छात्रों को भूमंडलीकरण के युग में अनुवाद की रचनात्मक भूमिका का निर्वहण करना संभव होगा।
11) अनुवाद के माध्यम से छात्र को विश्व संस्कृति, विश्व बंधुत्व, एकता और समरसता स्थापित करने में सहयोग प्राप्त होगा।
12) छात्र अनुवाद से औपचारिकता और अनौपचारिकता से तकनीकी ज्ञान का उपयुक्त स्तर प्राप्त कर सकेंगे।
13) अनुवाद हिंदी पाठयक्रम के आधार पर छात्र अनुसंधान की प्रक्रिया से अधुनातन ज्ञान प्राप्त कर विकास कर सकेंगे।
14) राष्ट्रभाषा हिंदी के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषा मराठी का प्रचार-प्रसार करना भी इस पाठयक्रम का उद्देश्य है।

पाठयक्रम की विशिष्ट निष्पत्ति (PSOs) :

1) छात्र अनुवाद के आधारभूत सिद्धांतों को ग्रहण कर, अनुप्रयोग करना सीखेंगे।
2) अनुवाद प्रक्रिया से छात्र अनुसृजन करना सीखेंगे।
3) विषय पर आधारित परिसंवाद द्वारा भाषिक कौशलों का विकास होगा।
4) अनुवाद के माध्यम से छात्र औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षा ग्रहण कर समाज में सभी प्रकार के मूल्यों को स्थापित करने में सक्षम होगें।

5) अनुवाद हिंदी के माध्यम से पाठयक्रम की गुणवत्ता के आधारपर आत्मचेतना जागृत कर छात्र भावनात्मक विकास से जीवनयापन करने में आत्मनिर्भर होगें।

6) अनुवाद हिंदी के माध्यम से छात्र अनुवाद द्वारा विभिन्न नवीनतम तकनीकी साधन उपकरणों के उपयोग
हेतु निष्णात बनेंगे।

7) अनुवाद हिंदी की गुणवत्ता के आधार पर छात्र बौद्धिक क्षमता के विकास को प्राप्त कर सकेंगे।

8) छात्र अनुवाद कार्य का दृढ़संकल्प कर लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

9) छात्र अनुवाद के माध्यम से विश्व ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में क्षेत्रीयवाद के संकुचित एवं सीमित दायरे से बाहर निकलकर मानवीय एवं भावनात्मक एकता के केन्द्रबिन्दु तक पहुँच सकेंगे।

10) छात्र अनुवाद के माध्यम से स्त्रोत-भाषा में अभिव्यक्त विचार, रचना अथवा सूचना साहित्य को यथा संभव मूल भावना के समानान्तर बोध एवं संप्रेषण के धरातल पर लक्ष्य-भाषा में अभिव्यक्त करने में कुशलता प्राप्त करेंगे।

11) छात्रों में मूल रचना का उद्देश्य और भाव समझ पाने का गुण विकसित होगा।

पाठयक्रम की रोजगार विषयक संभावनाएँ :-

आज का युग स्पर्धा का युग है। इस स्पर्धात्मक युग में अपने अस्तित्व को बनाये रखने हेतु हमें अपने आपको अधुनातन ज्ञान से परिपूर्ण रखना चाहिए। ज्ञान-विज्ञान के माध्यम से हम नित नये अविष्कारों की प्राप्ति करते हैं। ज्ञानार्जन के प्रभावी माध्यमों में से मुलभूत आधारों में एक है - अनुवाद। इस परिप्रेक्ष्य में संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती के हिंदी विभाग द्वारा अनुवाद हिंदी का पाठयक्रम चलाया जाता है। इस पाठयक्रम की विशेषताएँ कुछ इसप्रकार है -

01) केन्द्रीय सरकार की नौकरी प्राप्ति के अधिकतम अवसर प्राप्त होते है।

02) इसके माध्यम से छात्र अच्छे अनुवादक बन सकते हैं।

03) पाठयक्रम के द्वारा हिंदी साहित्य को पढ़कर, प्राध्यापक चयन के लिए सेट/नेट की परीक्षा के लिए पात्र हो सकते हैं एवं प्राध्यापक के पद पर नियुक्त हो सकते हैं।

04) नौकरी के साथ-साथ अनुवाद कार्य निजी रूप में कर सकते हैं।

05) स्वावलंबी बनने के सुअवसर प्राप्त होते हैं।

06) अनुवाद पाठयक्रम के द्वारा अनुवाद का तकनीकी ज्ञान सहज प्राप्त कर सकते हैं।

07) प्रयोजनमूलक हिंदी के अध्ययन के माध्यम से आपको पत्रकारिता, रेडिओ, दूरदर्शन आदि क्षेत्र में सेवा करने का सुअवसर मिलने की प्रबल संभावनाएँ हैं।

08) अनुवाद के क्षेत्र में अनुवादक को रोजगार प्राप्त होता है।

09) आकाशवाणी के क्षेत्र में हिंदी, मराठी तथा अंग्रेजी सामग्री के अनुवाद के माध्यम से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।

10) वर्तमान स्पर्धा के युग में भी कंपनियों के विज्ञापन, हिंदी स्लोगन भाषा शैली के अंतर्गत अनुवादक को रोजगार प्राप्त होता है।

11) विधि क्षेत्र-अंतर्गत न्यायिक सामग्री तथा प्रशासनिक सामग्री के अनुवाद अंतर्गत अनुवादक को रोजगार का शुभ अवसर मिल सकता है।

12) पत्रकारिता के विभिन्न प्रकारों के अंतर्गत अनुवादक की भूमिका को अहम माना जाता है, इसमें अनुवादक को रोजगार की कई तरह की सन्धियाँ मिलती हैं।

13) समाचार पत्र के क्षेत्र में तथा कार्यालय क्षेत्र के अंतर्गत अनुवादक को रोजगार मिलकर उनका भविष्य उज्ज्वल होता है।

14) वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद अंतर्गत सामाजिक एवं भौतिक दोनों प्रकार के विषय आते हैं। इनमें मनोविज्ञान, व्यवहार विज्ञान, अर्थशास्त्र और इतिहास, राजनीति शास्त्र, समाजशास्त्र, पर्यावरण विज्ञान, भौतिक विज्ञान आदि विषयों को अनुवाद की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। इन सभी क्षेत्रों में अनुवादक को रोजगार के कई अवसर प्राप्त होते हैं।

15) साहित्यिक जगत में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसी कई प्रकाशन संस्थाएं हैं, जो श्रेष्ठ पुस्तकों के अनुवाद के लिए अनुवादक की मांग करती है। साहित्य अकादमी दिल्ली, राज्य स्तर की साहित्य अकादमी तथा साहित्य परिषद भी श्रेष्ठ पुस्तकों का अनुवाद करवाती है। इसके साथ ही श्रेष्ठ अनूदित कृति को विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा पुरस्कार भी दिए जाते हैं। यहां पर अनुवादक के रूप में रोजगार की काफी संभावना है।

16) मौखिक अनुवाद में दुभाषिएं के माध्यम से पर्यटन क्षेत्र में बहुभाषा-भाषी के माध्यम से अनुवादक को रोजगार प्राप्त होता है।
17) फिल्मों की डबिंग, साहित्य से फिल्म बनाना, साहित्य से नाट्य रूपांतर करना आदि माध्यमों से भी अनुवादक को रोजगार का अवसर प्राप्त होता है।
18) छात्र विभिन्न शैक्षिक संस्थान,प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण केंद्र में शिक्षक, हिंदी प्रशिक्षक, प्राध्यापक आदि के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।
19) छात्र देश-विदेश में ट्रैवल एजेंट या टूरिस्ट गाइड के क्षेत्र में भी रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।
20) छात्र हिंदी राजभाषा अधिकारी के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं ।
21) इस यांत्रिक युग में छात्र ब्लॉग लेखन, तकनीकी लेखन एवं ऑफलाईन - ऑनलाइन लेखन आदि में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं ।
22) छात्र कवि, लेखक, कथाकार, नाटककार, साहित्यकार आदि के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।
23) छात्र रेडियो जॉकी और समाचार वाचक के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं ।
24) छात्र पटकथा लेखन,संवाद लेखन, गीत लेखन आदि में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।
25) छात्र मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में समाचार लेखक, स्तंभ लेखक, संपादकीय, अतिथि संपादक, प्रूफ रीडर, विशेष विधा लेखन, वार्ता लेखन आदि के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।
26) छात्र भाषण लेखन तथा हिंदी अनुवादक के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं ।
27) छात्र निजी एवं सरकारी दफ्तरों में हिंदी अनुवाद के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते है।
28) छात्र को शिक्षा के क्षेत्र में अनुवाद के शुभ अवसर प्राप्त होते हैं।

अत: उपरोक्त विशेषताओं के आधार पर हम कह सकते हैं कि एम.ए.(अनुवाद हिंदी) पाठ्यक्रम बहुआयामी प्रतिभाओं के विकास में पूर्णत: सक्षम सिद्ध होता है। यु.जी.सी. के निर्देशानुसार एम.ए.(अनुवाद हिंदी) के अभिनव पाठ्यक्रम में प्रयोजनमूलक हिंदी के साथ-साथ अनुवाद का भी समावेश है, साथ ही हिंदी साहित्य के विशेष प्रश्नपत्रों को भी सेट/नेट के अभ्यासक्रमानुरूप स्थान दिया गया है, जैसे हिंदी साहित्य का इतिहास। इसी के साथ अनेक रोजगारोन्मुख वैकल्पिक प्रश्नपत्र प्रथमत: संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय ने इस पाठ्यक्रम में समाविष्ट किए हैं। चतुर्थ प्रश्नपत्र के अंतर्गत प्रयोजनमूलक हिंदी साथ ही भाषा शिक्षण का प्रश्नपत्र भी है,जिससे भाषा शिक्षण की पद्धति का सैद्धांतिक एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर, अध्यापन के सिद्धांतों का ज्ञान छात्र अर्जित कर सकते है एवं अध्यापकीय कौशल को प्राप्त कर सकते है। उसीप्रकार प्रयोजनमूलक हिंदी के द्वारा दूरसंचार, विदेश, बैंक, बीमा कंपनी तथा विविध केंद्रीय सरकार के कार्यालयों में राजभाषा अधिकारी,अनुवादकों का प्रतिष्ठापूर्ण पद प्राप्त किया जाना संभव है। फिल्म, पत्रकारिता, रेडिओ एवं दूरदर्शन के क्षेत्रों में भी छात्र प्रविष्ट होकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

इसीप्रकार एम.ए.भाग- 2 में अनुवाद के ऐतिहासिक संदर्भ के साथ ही साथ अनुवाद व्यवहार एवं वैकल्पिक प्रश्नपत्र के रूप में तृतीय प्रश्नपत्र में कोशविज्ञान एवं राजभाषा प्रशिक्षण तथा हिंदी साहित्य रखा गया है, जिनसे अनुवादक के साथ-साथ कोश निर्माता, राजभाषा अधिकारी एवं हिंदी-शिक्षक की नियुक्ति छात्रगण प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही साथ अनुवाद एवं साहित्य तथा भाषा में संशोधन कार्य भी किया जा सकता है। यह स्वयं सिद्ध मत है कि महाराष्ट्र में सिर्फ संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती में ही यह एम.ए.(अनुवाद हिंदी)का पाठ्यक्रम है, जो अपने आप में रोजगार प्रदान करने में एक नवीनतम दिशा प्रदान करनेवाला है। यहाँ अंग्रेजी और मराठी से हिंदी अनुवाद का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। अनेक विद्वतजनों के संभाषण एवं राष्ट्रीय सेमिनार तथा शिक्षा,अनुसंधान,विस्तार व विकास एवं अन्य सामाजिक शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी संपन्न होते हैं, जो कला संकाय के छात्रों के लिए रोजगार प्राप्ति का स्वर्णिम अवसर उपलब्ध करता है। शिष्यवृति के अतिरिक्त केंद्र सरकार की हिंदीतर भाषी शिष्यवृत्ति भी विद्यार्थियों को दी जाती है। विभाग में अनुसंधान कार्य होता है।

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Faculty: Humanities

Session - 2024-25

भाग- ब (Part -B)

वाड्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) पाठयक्रम: एम.ए.अनुवाद हिंदी (एनईपी)

तृतीय सत्र (Semester-III)

Sr. No.	Subject	Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Credits
1	DSC-I-3	TH31	हिंदी साहित्यिक तथा साहित्येत्तर क्षेत्रानुसंधान : समकालीन स्वरूप, सहायक विद्या तथा नवीनतम संसाधन	60 तासिकाएँ	4
2	DSC-II-3	TH32	अनुवाद:ऐतिहासिक संदर्भ एवं भाषा का सामाजिक संदर्भ	60 तासिकाएँ	4
3	DSC-III-3	TH33	अनुवाद की समस्याएँ एवं समाधान	60 तासिकाएँ	4
4	DSE-I-3	TH34	आधुनिक हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक व भाषागत परिचय	60 तासिकाएँ	4
	DSE-II-3	TH35	राजभाषा प्रशिक्षण		
	DSE-III-3	TH36	कोश विज्ञान		
5	DSC-III-3 Tutorial	TH401	अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद	30 तासिकाएँ	2
6	Research Project Phase-I	TH402	शोध परियोजना(Project)	60 तासिकाएँ	4
			कुल श्रेयांक	-	**22**

सूचना :-

1 DSC प्रश्नपत्र अनिवार्य होगा।

2 DSE वैकल्पिक प्रश्नपत्र है, जिसमें से किसी एक प्रश्नपत्र का चयन करना होगा।

3 RP प्रश्नपत्र सत्र 3 के लिए अनिवार्य होगा।

4 DSC-I (TT) प्रश्नपत्र, सत्र 3 में लेना अनिवार्य होगा।

शैक्षणिक वर्ष - 2024-25

Session - 2024-25

दो वर्षीय-चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ति 2024)

Two Years-Four Semesters Master's Degree Programme (NEPv 24)

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत अनुवाद हिंदी /एम.ए.(अनुवाद हिंदी) द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र

Syllabus Programme: M.A.Translation Hindi Second Year (Semester-III)

तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र -1

DSC-I-3

हिंदी साहित्यिक तथा साहित्येत्तर क्षेत्रानुसंधान : समकालीन स्वरूप, सहायक विद्या तथा नवीनतम संसाधन

विषय सांकेतांक - TH31

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1) हिंदी साहित्यिक एवं साहित्येत्तर क्षेत्रानुसंधान कर सकेंगे।
2) छात्र अनूदित साहित्यानुसंधान करने में निपुण होंगे।
3) तुलनात्मक अनुसंधान शैली में छात्र निष्णात होंगे।
4) नवीनतम संसाधनों तथा उपकरणों का अनुप्रयोग करने में छात्र सक्षम होंगे।

गतिविधि -

1) साहित्यिक एवं साहित्येत्तर क्षेत्र का अनुसंधान कार्य करेंगे।
2) भारतीय तथा पाश्चात्य अनुवादकों की शैली का अध्ययन करेंगे।

प्रश्नपत्र -1

हिंदी साहित्यिक तथा साहित्येत्तर क्षेत्रानुसंधान : समकालीन स्वरूप, सहायक विद्या तथा नवीनतम संसाधन

अ. क्र.	अनुसंधान प्रश्नपत्रिका का घटक	चयनित तासिकाएँ
1.	**साहित्यिक एवं साहित्येत्तर क्षेत्र का अनुसंधान** 1.1 हिंदी साहित्यिक तथा साहित्येत्तर अनुसंधान का स्वरूप 1.2 भाषा तथा प्रयोजनमूलक हिंदी का स्वरूप 1.3 विशिष्ट साहित्यिक/साहित्येत्तर प्रकारों का अध्ययन 1.4 विशिष्ट लेखकों का अध्ययन	15 तासिकाएँ
2.	**अनुवाद की अनुसंधानात्मक शैलीनिहाय अध्ययन** 2.1 पाश्चात्य अनुवादकों की वैचारिक शैली 2.2 भारतीय अनुवादकों की विचारधारा 2.3 समकालीन अनुवादकों की वैचारिकता 2.4 अनुवादकों की अनुवादात्मक शैली की अनुसंधानात्मक समीचीनता	15 तासिकाएँ
3.	**अनूदित तुलनात्मक साहित्यानुसंधान का अध्ययन: संकल्पना तथा स्वरूप** 3.1 अनूदित साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन 3.2 उत्पत्ति और परिणाम 3.3 भारतीय तथा वैश्विक अनूदित साहित्य 3.4 तुलनात्मक अनूदित साहित्य अध्ययन में अनुसंधान के सुअवसर	15 तासिकाएँ
4.	**अनूदित साहित्यानुसंधान : तंत्रज्ञानात्मक संसाधन** 4.1 अनुसंधान के लिए ई-स्त्रोत : विकिपीडिया, शोधगंगा, हिंदी विश्वकोश, हिंदी साहित्य ज्ञानकोश 4.2 अनुसंधान के लिए पत्र-पत्रिकाओं का नवीनतम ज्ञानबोध 4.3 लोक-साहित्य में अनुसंधान, बहुविद्याशाखीय ऑनलाईन उपलब्ध संसाधनों का अनुप्रयोग, विभिन्न कोश वाङ्मय का अनुसंधान में अनुप्रयोग 4.4 ऑनलाईन युनिकोड में लिखित प्रकल्प लेखन	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन (तृतीय सत्र)

1) दीर्घोत्तरी प्रश्न 4 x 12 = 48

2) लघूत्तरी प्रश्न 3 x 04 = 12

.....

60

आंतरिक मूल्यांकन

प्रायोगिक कार्य -

1) अनुसंधानात्मक कार्य का रूपरेखा - 20

2) विभागीय जाँच परीक्षा- - 20

.....

40

कुल अंक - 100

सूचना-

1) चार इकाई से कुल सात दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

2) चार इकाई से कुल छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

संदर्भ ग्रंथ :-

1. डॉ. सतेंद्र- अनुसंधान, अमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
2. सं. श्रीमती सवित्री सिन्हा, अनुसंधान प्रक्रिया, लोकप्रभा प्रकाशन, कानपुर, 2007
3. सं. नरेंद्र धीर, अंतरराष्ट्रीय लोकयानी अनुसंधाता, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 2001
4. सं. विश्वनाथ प्रसाद, अनुसंधान के मूल तत्व, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2000
5. डॉ. एच. के. कपिल, अनुसंधान विधियां- व्यावहारिक विधाओं में, पुस्तक प्रकाशक, आगरा, 2003
6. टुकड़ा-टुकड़ा वर्तमान (अनूदित कहानियाँ), अनुवाद: डॉ. मोहम्मद जमील, प्रो. डॉ.रवींद्रकुमार शिरसाट, रानी-गौतमी प्रकाशन, अमरावती. 2013
7. प्रयोजनमूलक हिंदी (Functional Hindi),प्रो.डॉ. रवींद्रकुमार शिरसाट, प्रा. डॉ. चंदन विश्वकर्मा, 2024, वान्या पब्लिकेशंस, कानपुर.
8. डॉ. शंकर शेष और रत्नाकर मतकरी के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन, प्रो.डॉ. रवींद्रकुमार शिरसाट, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर, 2015
9. इंद्रनाथ, चौधरी, तुलनात्मक साहित्य:भारतीय परिप्रेक्ष्य, 2006, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
10. मिश्र देवेश कुमार, अनूदित साहित्य, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 2022
11. संस्कृत वाङ्मय का वृहद इतिहास, सप्तम खण्ड, आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, सं. श्री बलदेव उपाध्याय प्रकाशन, उ.प्र. संस्कृत संस्थान, लखनऊ,1997
12. संस्कृत वाङ्मय का वृहद इतिहास, पंचम खण्ड, आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, सं. श्री बलदेव उपाध्याय प्रकाशन, उ.प्र. संस्कृत संस्थान, लखनऊ,1999

शैक्षणिक वर्ष - 2024-25

Session - 2024-25

दो वर्षीय-चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ति 2024)

Two Years-Four Semesters Master's Degree Programme (NEPv 24)

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत अनुवाद हिंदी /एम.ए.(अनुवाद हिंदी) द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र

Syllabus Programme: M.A.Translation Hindi Second Year (Semester-III)

तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र - 2

DSC-II-3

अनुवाद: ऐतिहासिक संदर्भ एवं भाषा का सामाजिक संदर्भ

विषय सांकेतांक - TH32

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1) अनुवाद की पाश्चात्य ऐतिहासिक परंपरा की जानकारी से परिचित होंगे।
2) पाश्चात्य एवं भारतीय अनुवादकों के योगदान से प्रोत्साहित होंगे।
3) पाश्चात्य और भारतीय चिंतकों के सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से प्रयुक्त करने में सक्षम होंगे।
4) हिंदी भाषा के सामाजिक संदर्भ के व्यावहारिक प्रयोगों के उपयोग को समझेगें।

गतिविधि -

1) पाश्चात्य एवं भारतीय अनुवादकों के सिद्धातों का अध्ययन करेंगे।
2) विभिन्न अनुवादकों के योगदान की शैलियों का विश्लेषण करेंगे।

अ.क्र.	प्रश्नपत्र के घटक	तासिकाएँ
इकाई-1	भाषा का सामाजिक संदर्भ १) भाषा का सामाजिक संदर्भ (क) रिश्ते नाते की शब्दावली पश्चिम में अनुवाद चिंतन की परंपरा एवं अनुवाद सिद्धांतों का विकास	15 तासिकाएँ
इकाई- 2	२) हिंदी का सामाजिक संदर्भ (क) सर्वनाम और संबोधन रूप (ख) कोड मिश्रण एवं कोड परिवर्तन भारतीय भाषाओं में अनुवाद चिंतन की परंपरा	15 तासिकाएँ
इकाई-3	अनुवाद के क्षेत्र में प्रमुख विद्वानों का योगदान 1) रघुनाथराव 2) रामचंद्र शुक्ल 3) हरिवंशराय बच्चन 4) डॉ. रघुवीर 5) रामधारीसिंह दिनकर 6) गोस्वामी तुलसीदास 7) डॉ.राजेंद्र प्रसाद 8) महादेवी वर्मा	15 तासिकाएँ
इकाई-4	अनुवाद चिंतन १) जॉन ड्राइडन २) गुरुदेव रवींद्रनाथ 3) एडवर्ड फिड्जेराल्ड	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन (तृतीय सत्र)

1) दीर्घोत्तरी प्रश्न 4 x 12 = 48
2) लघूत्तरी प्रश्न 3 x 04 = 12

.....
60

आंतरिक मूल्यांकन

प्रायोगिक कार्य -

1) पाश्चात्य एवं भारतीय अनुवादकों के अनुवाद कार्य का संक्षेप में परिचय - 20
2) विभागीय जाँच परीक्षा- - 20

.....
40

कुल अंक - 100

सूचना-

1) चार इकाई से कुल सात दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।
2) चार इकाई से कुल छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1) अनुवाद: त्रैमासिक (जुलाई-सितम्बर तथा ऑक्टोबर-दिसम्बर १९९८ का संयुक्त अंक) भारतीय अनुवाद परिषद
2) अनुवाद कला के मूलस्रोत संपादक- गार्गी गुप्त- राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
3) अनुवाद कला- विश्वनाथ अय्यर

शैक्षणिक वर्ष - 2024-25

Session - 2024-25

दो वर्षीय-चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ति 2024)

Two Years-Four Semesters Master's Degree Programme (NEPv 24)

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत अनुवाद हिंदी /एम.ए.(अनुवाद हिंदी) द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र

Syllabus Programme: M.A.Translation Hindi Second Year (Semester-III)

तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र - 3

DSC-III-3

अनुवाद की समस्याएं एवं समाधान

विषय सांकेतांक - TH33

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. साहित्यिक एवं साहित्येत्तर अनुवाद की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2. साहित्यिक विधाओं के अनुवाद से परिचित होंगे।
3. साहित्येत्तर क्षेत्रों के अनुवाद की समस्याओं के लिए पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग करेंगे।
4. साहित्यिक एवं साहित्येत्तर क्षेत्रों के अनुवाद की समस्याओं को समझेंगे।

गतिविधि :

1. साहित्यिक एवं साहित्येत्तर क्षेत्रों के अनुवाद का अभ्यास करेंगे।
2. विशेष क्षेत्र के अनुसार अनुवाद व्यवहार में भाषा का प्रयोग करना सीखेंगे।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई -1	सर्जनात्मक साहित्य का अनुवाद एवं व्यवहार- साहित्य के अनुवाद की समस्याएं	15 तासिकाएँ
इकाई - 2	प्रमुख साहित्य रूपों के संबंध में कविता, कथा-साहित्य, नाटक-साहित्य,समीक्षा, अनुवाद व अनुसृजन ज्ञान के साहित्य का अनुवाद एवं व्यवहार	15 तासिकाएँ
इकाई -3	सामाजिक विज्ञान और विधि अनुवाद एवं व्यवहार, प्रमुख सामाजिक विज्ञान(इतिहास, राजनीति, विज्ञान, दर्शन, अर्थशास्त्र, वाणिज्य) के सामग्री के अनुवाद की समस्याएं, विधि साहित्य के अनुवाद की समस्याएं	15 तासिकाएँ
इकाई- 4	प्रशासनिक अनुवाद की समस्याएं तथा (बैंक, एल.आय.सी.,बीमा संबंधी) अनुवाद एवं व्यवहार, राजभाषा हिंदी की प्रशासनिक शब्दावली, कार्यालयीन सामग्री (टिप्पणी, आलेख, प्रारूप, प्रतिवेदन, कार्यालयीन पत्रादि) के अनुवाद की समस्याएँ	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन (तृतीय सत्र)

1) दीर्घोत्तरी प्रश्न 4 x 12 = 48

2) लघूत्तरी प्रश्न 3 x 4 = 12

.....

60

आंतरिक मूल्यांकन -

१) प्रायोगिक कार्य (अनुवाद अंग्रेजी से हिंदी) 20 अंक

2) विभागीय जाँच परीक्षा- 20 अंक

40

कुल अंक - 100

सूचना -

1) चार इकाई से कुल सात दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

2) चार इकाई से कुल छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान - मनोहर सराफ, डॉ.शिवाकरण गोस्वामी, विद्या प्रकाशन गोविन्द नगर, कानपूर.

2) अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी- शब्दकार, गरु अंगद नगर, दिल्ली

3) अनुवाद भाषाएँ - समस्याएँ - एन.ई.विश्वनाथ अमरज्ञान गंगा-चावजी बाजार, दिल्ली.

4) प्रारंभिक अनुवाद विज्ञान सिध्दांत और प्रयोग - अवधेश मोहन गुप्त - सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली

5) अनुवाद प्रक्रिया - रीतारानी पालीवाल - साहित्य तिथि, विश्वासनगर, शाहदरा, दिल्ली-32

6) अनुवाद- सिध्दांत एवं स्वरुप - मनोहर तथा शिवाकान्त गोस्वामी, विद्या प्रकाशन, कानपूर-6

7) अनुवाद सिध्दांत और प्रयोग- जी गोपीनाथ - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद -1

8) अनुवाद सिध्दांत की रुपरेखा - सुरेश कुमार - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2

9) अनुवाद- सिध्दांत और समस्याएँ - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन दिल्ली-32

10) कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ - भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी, अजीतलाल

11) अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी

12) भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी

13) भाषा विज्ञान - सं.राजमल बोरा

14) हिन्दी भाषा - भोलानाथ तिवारी

15) राजभाषा हिन्दी के विविध आयाम - शंकर बुंदेले

शैक्षणिक वर्ष - 2024-25

Session - 2024-25

दो वर्षीय-चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ति 2024)

Two Years-Four Semesters Master's Degree Programme (NEPv 24)

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत अनुवाद हिंदी /एम.ए.(अनुवाद हिंदी) द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र

Syllabus Programme: M.A.Translation Hindi Second Year (Semester-III)

तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र - 4

DSE-I-3

A) आधुनिक हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक एवं भाषागत परिचय

विषय संकेतांक - TH34

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. आधुनिक हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं का परिचयात्मक अध्ययन करेंगे।
2. आधुनिक हिंदी साहित्य की भाषागत विशेषताओं से अवगत होंगे।
3. आधुनिक हिंदी साहित्य के साहित्यकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।
4. सृजनात्मक लेखन शैली में सक्षम बनेंगे।

गतिविधि:-

1. सृजनात्मक लेखन का अभिव्यक्तीकरण एवं प्रस्तुतीकरण।
2. सृजनात्मक लेखन का अभ्यास एवं प्रयोग।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई-1	आधुनिक हिंदी साहित्य की विविध विधाओं (कविता, उपन्यास, नाटक, कहानी एवं निबंध) का परिचयात्मक अध्ययन एवं भाषागत विशेषताएँ - काव्य- 1. जयशंकर प्रसाद - कामायनी (श्रध्दा,स्वप्न) 2. मैथिलीशरण गुप्त - यशोधरा 3. बालसतसई - डॉ. परशुराम शुक्ल	15 तासिकाएँ
इकाई-2	उपन्यास:- 1. प्रेमचंद - रंगभूमि 2. अमृतलाल नागर - बूंद और समुद्र	15 तासिकाएँ
इकाई-3	नाटक :- 1. जयशंकर प्रसाद - ध्रुवस्वामिनी 2. मोहन राकेश - लहरों के राजहंस	15 तासिकाएँ
इकाई-4	कहानियाँ :- 1. पुरस्कार - जयशंकर प्रसाद 2. वापसी - उषा प्रियवंदा निबंध :- 1. ठिठुरता हुआ गणतंत्र - हरिशंकर परसाई	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन (तृतीय सत्र) -

2) संदर्भ सहित व्याख्या 2 x 8 = 16

3) दीर्घोत्तरी प्रश्न 2 x 12 = 24

4) लघूत्तरी प्रश्न 5 x 4 = 20

कुल अंक- 60

आंतरिक मूल्यांकन :

प्रायोगिक कार्य:-

1) आधुनिक हिंदी साहित्य के किसी भी एक उपन्यास एवं नाटक का व्याख्यात्मक लेखन - 20 अंक

2) विभागीय जाँच परीक्षा - 20 अंक

40

कुल अंक - 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप :

प्रश्न 1- इकाई - 1, 2 एवं 3 से एक-एक पद्यांश और गद्यांश (कुल-5) के व्याख्या पूछे जायेंगे, जिनमें से दो व्याख्या करनी पड़ेगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 8 अंक होगे।

प्रश्न 2 - चार इकाई से दीर्घोत्तरी (कुल 5) प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

प्रश्न 3 - चार इकाई से कुल सात लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पाँच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1) चिन्तामणी आ. रामचंद्र शुक्ल
2) श्रेष्ठ कहानियाँ - मन्नू भंडारी
3) प्रतिनिधि कहानियाँ- राजेन्द्र यादव
4) कहानी विविधा - देवीशंकर अवस्थी
5) मानसरोवर - प्रेमचंद
6) कल्पलता- हजारीप्रसाद द्विवेदी
7) परसाई रचनावली- भाग-३
8) हिंदी रामकाव्य में भगवान राम का चरित्र - शंकर बुंदेले
9) प्रेमचंद कथा साहित्य - समीक्षा और मूल्यांकन - धर्मध्वज त्रिपाठी
10) हिंदी नाटक : मूल्य चिंतन और रंगदृष्टि, ओमप्रकाश सारस्वत
11) मोहन राकेश और उनके नाटक - गिरिश रस्तोगी
12) हिंदी कहानी प्रक्रिया और पाठ, सुरेंद्र चौधरी, दिनकर सं. सावित्री सिन्हा
13) सतसई परंपरा और बाल सतसई - संगीता जगताप
14) डॉ. परशुराम शुक्ल कृत बाल सतसई का अनुशीलन- रेखा धुराटे

शैक्षणिक वर्ष - 2024-25

Session - 2024-25

दो वर्षीय-चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ति 2024)

Two Years-Four Semesters Master's Degree Programme (NEPv 24)

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत अनुवाद हिंदी /एम.ए.(अनुवाद हिंदी) द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र

Syllabus Programme: M.A.Translation Hindi Second Year (Semester-III)

तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र - 4

DSE-II-3

B) राजभाषा प्रशिक्षण

विषय सांकेतांक - TH35

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. छात्र राजभाषा के संवैधानिक प्रावधानों की महत्तम जानकारी हासिल करेंगे।
2. छात्र राष्ट्रभाषा के प्रचार- प्रसार से सम्बंधित संस्थाओं के कार्य से परिचित होंगे।
3. छात्र देवनागरी लिपि की तकनीकी जानकारी प्राप्त करेंगे।
4. छात्र राजभाषा के प्रशासनिक कौशल को समग्र रूप से ग्रहण करेंगे।

गतिविधि:-

1) विभिन्न विभागीय कार्यक्रमों का आयोजन करना।

2) अहिंदी क्षेत्र में विभागीय कार्यक्रमों के अंतर्गत राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा का प्रचार-प्रसार करना।।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई-1	प्रशासन व्यवस्था और भाषा। भारत की बहुभाषिकता और एक संपर्क भाषा की आवश्यकता।	15 तासिकाएँ
इकाई-2	राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान, राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद ३४३ से ३५१ तक), राष्ट्रपति के आदेश (१९५२, १९५५, १९६०), राजभाषा अधिनियम १९६३ (यथा संशोधित १९६७), राजभाषा संकल्प (१९६८) (यथानुमोदित १९६१), राजभाषा नियम १९७६	15 तासिकाएँ
इकाई- 3	द्विभाषा नीति और त्रिभाषा सूत्र। हिंदीत्तर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिंदी की स्थिति। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी। हिंदी के प्रचार-प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की भूमिका। हिंदी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्याएं।	15 तासिकाएँ
इकाई- 4	हिंदी कम्प्यूटीकरण। भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी का भविष्य। हिंदी संकेताक्षर और कूटपद निर्माण। हिंदी में वैज्ञानिक और तकनीकी परिभाषिक शब्दावली।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन (तृतीय सत्र) -

1) दीर्घोत्तरी प्रश्न 4 x 12 = 48

2) लघूत्तरी प्रश्न 3 x 4 = 12

.....

60

आंतरिक मूल्यांकन -

प्रायोगिक कार्य :-

1) कार्यालयी हिंदी की शब्दावली	20 अंक
2) विभागीय जाँच परीक्षा	20 अंक

	40
	कुल अंक - 100

सूचना-

1) चार इकाई से कुल सात दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।
2) चार इकाई से कुल छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1) प्रयोजनमूलक हिन्दी(Functional Hindi) - प्रो.डॉ. रवींद्रकुमार शिरसाट, प्रा. डॉ. चंदन विश्वकर्मा, वान्या पब्लिकेशंस, कानपुर, 2024
2) राजभाषा हिंदी में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की दिशाएं - हरिमोहन, विकास पब्लिकेशंस, कानपुर, 2003
3) कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं- भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी, अजीतलाल गुलाटी, प्रभा प्रकाशन, दिल्ली, 2011
4) बैंकों में अनुवाद प्रविधि - सीता कुंचित पादम, सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2003
5) कार्यालयी अनुवाद निदेशिका - जी.गोपीनाथ, श्रीवास्तव, उपकार प्रकाशन, आगरा, 2005
6) अनुवाद सिद्धांत और समस्याएं - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी, लोकप्रभा प्रकाशन, दिल्ली, 2001
7) वृहद प्रशासन शब्दावली Glossary administrative Terms (मानव संसाधन विकास शिक्षा विभाग), दिल्ली, 2002
8) कार्यालय सहायिका केन्द्रीय सचिवालय हिंदी परिषद दिल्ली, मूल संपादक, हरिबाबू कंसल, उपकार प्रकाशन, आगरा, 2003
9) प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी - गोस्वामी कृष्णकुमार, प्रभा प्रकाशन, दिल्ली, 2010
10) प्रयोजनमूलक भाषा- श्रीवास्तव रवीन्द्रनाथ, जयभारती प्रकाशन, कानपुर, 2008
11) प्रयोजनमूलक भाषा- गोदरे विनोद, अमन प्रकाशन, इलाहबाद, 2013
12) प्रयोजनमूलक हिन्दी- माधव सोनटक्के, सरस्वती प्रकाशन, दिल्ली, 2011
13) प्रयोजनी हिन्दी स्वरुप और व्यापकता- गोपाल शर्मा, अमन प्रकाशन, इलाहबाद, 2015
14) इक्कीसवीं सदी और हिन्दी पत्रकारिता- सं.अमरेद्र कुमार निशांत सिंह, सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
15) जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता - अर्जुन तिवारी, जयभारती प्रकाशन, लालजी मार्केट, मायन प्रेस रोड, इलाहाबाद, 2017
16) संपादित पुस्तक प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद- शंकर बुंदेले, बोके प्रिन्टर्स, अमरावती, **2015**
17) हिन्दी में व्यवहारिक अनुवाद- आलोक कुमार रस्तोगी - सुमित पब्लिकेशन, दिल्ली-6, 2012

शैक्षणिक वर्ष - 2024-25

Session - 2024-25

दो वर्षीय-चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ति 2024)

Two Years-Four Semesters Master's Degree Programme (NEPv 24)

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत अनुवाद हिंदी /एम.ए.(अनुवाद हिंदी) द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र

Syllabus Programme: M.A.Translation Hindi Second Year (Semester-III)

तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र - 4

DSE-III-3

C) कोश विज्ञान

विषय सांकेतांक - TH36

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. कोश के बहुभाषायी उपयोग के ज्ञान से अवगत होंगे।
2. कोश-निर्माण प्रक्रिया के विभिन्न पक्षों को समझने में सक्षम बनेंगे।
3. छात्र कोश के प्रकारों से शब्दों के अर्थग्रहण और अर्थनिर्धारण करने में निपुण होंगे।
4. कोश की समस्याओं से अवगत होकर अध्येता को निराकरण करने की अंतदृष्टि प्रदान होगी।

गतिविधि -

1) कोश के विभिन्न प्रकारों का अध्ययन करना।

2) बहुभाषिक कोश के अंतर्गत शब्दप्रयोग का व्यवहार में प्रयोग करना।

अ.क्र.	प्रश्नपत्र के घटक	तासिकाएँ
इकाई - 1	कोश, परिभाषा और स्वरूप। कोश की उपयोगिता। कोश और व्याकरण का अंतःसंबंध। कोश-निर्माण, विज्ञान या कला।	15 तासिकाएँ
इकाई - 2	कोश के भेद - समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोश, एककालिक और कालक्रमिक कोश, विषय कोश, पारिभाषिक कोश, व्युत्पत्ति कोश, समांतर कोश, अध्येता कोश, विश्वकोश, बोली कोश।	15 तासिकाएँ
इकाई - 3	कोश निर्माण की प्रक्रिया :- सामग्री संकलन प्रविष्टिक्रम, व्याकरणिक कोटि उच्चारण	15 तासिकाएँ
इकाई - 4	कोश निर्माण की प्रक्रिया :- व्युत्पत्ति अर्थ (पर्याय, व्याख्या, चित्र) प्रयोग उप-प्रविष्टियाँ, संदर्भ और प्रतिसंदर्भ।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन (तृतीय सत्र) -

1) दीर्घोत्तरी प्रश्न 4 x 12 = 48

2) लघूत्तरी प्रश्न 3 x 4 = 12

.....

60

आंतरिक मूल्यांकन -

प्रायोगिक कार्य -

1) विशिष्ट क्षेत्र की पारिभाषिक शब्दावली का प्रस्तुतीकरण - 20
2) विभागीय जॉच परीक्षा - 20

40

कुल अंक - 100

सूचना-

1) चार इकाई से कुल सात दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।
2) चार इकाई से कुल छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. कोश विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भारतीय व्यवहार कोश - सं. विश्वास नाखंगे (सोलह भाषाओं का शब्दकोश)
3. कोश निर्माण-प्रविधि एवं प्रयोग- सं. प्रो. त्रिभुवननाथ शुक्ल
4. मानक हिंदी कोश- सं. रामचंद्र वर्मा (हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, खंड-1,2,3,4)
5. अखिल भारतीय महिला चरित्र कोश- खंड-1
6. अनुवाद विज्ञान:सिध्दांत एवं अनुप्रयोग- डॉ. नगेंद्र-हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय संस्करण- 2015
7. अनुवाद विज्ञान की भूमिका - कृष्णकुमार गोस्वामी, प्रकाशक राजकमल प्रकाशक, नई दिल्ली
8. भाषा विज्ञान कोश- भोलानाथ तिवारी, 2014, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी
9. कोश विज्ञान- शब्दकोश और विश्वकोश- डॉ. ममता धवन
10. कोश विज्ञान- शब्दकोश और विश्वकोश- दर्शन पाण्डेय
11. कोश विज्ञान सिद्धांत एवं प्रयोग - उच्च शिक्षा और शोध संस्थान

शैक्षणिक वर्ष - 2024-25

Session - 2024-25

दो वर्षीय-चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ति 2024)

Two Years-Four Semesters Master's Degree Programme (NEPv 24)

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत अनुवाद हिंदी /एम.ए.(अनुवाद हिंदी) द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र

Syllabus Programme: M.A.Translation Hindi Second Year (Semester-III)

तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र - 5

Major Elective Course No: 1, Skill Based

DSC-III-3 - Tutorial

अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद

विषय सांकेतांक - TH401

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. अनुवाद को व्यक्ति केंद्रित कार्य से आगे ले जाकर समूह केंद्रित बनाना।
2. नये-नये शब्दों के मानकीकरण की प्रक्रिया को गति मिलेंगी।
3. अनुवादक विषय-वस्तु संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।
4. विषय-वस्तु का समग्र ज्ञान हासिल करेंगे।
5. तकनीकी एवं वैज्ञानिक क्षेत्र में हिंदी का भविष्य उज्ज्वल होगा।
6.

अ.क्र.	प्रश्नपत्र के घटक	तासिकाएँ
1	क) किसी प्रयुक्ति विशेष के अंतर्गत 25 पृष्ठ सामग्री का अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद	30 तासिकाएँ

अ.क्र.	लिखित-निबंध/ स्वाध्याय/ प्रस्तुतीकरण	मौखिक परीक्षा	कुल गुण
1	40	10	50

संदर्भ ग्रंथ :-

1) हिन्दी में व्यवहारिक अनुवाद- आलोक कुमार रस्तोगी - सुमित पब्लिकेशन, दिल्ली-6
2) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान - मनोहर सराफ, डॉ. शिवाकरण गोस्वामी, विद्या प्रकाशन गोविन्द नगर, कानपूर.
3) अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी- शब्दकार, गरु अंगद नगर, दिल्ली
4) अनुवाद भाषाएँ - समस्याएँ - एन.ई.विश्वनाथ अमरज्ञान गंगा-चावजी बाजार, दिल्ली.
5) प्रारंभिक अनुवाद विज्ञान सिध्दांत और प्रयोग - अवधेश मोहन गुप्त - सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली
6) अनुवाद प्रक्रिया - रीतारानी पालीवाल - साहित्य तिथि, विश्वासनगर, शाहदरा, दिल्ली-32
7) अनुवाद- सिध्दांत एवं स्वरुप - मनोहर तथा शिवाकान्त गोस्वामी, विद्या प्रकाशन, कानपूर-6
8) अनुवाद सिध्दांत और प्रयोग- जी गोपीनाथ - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद -1
9) अनुवाद सिध्दांत की रुपरेखा - सुरेश कुमार - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2
10) अनुवाद- सिध्दांत और समस्याएँ - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन दिल्ली-32
11) कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ - भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी, अजीतलाल
12) अनुवाद कला - अय्यर एन.ई.विश्वनाथ - प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2002
13) साहित्यानुवाद- संवाद और संवेदना - अढाउ उदय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली - 2, 2001

शैक्षणिक वर्ष - 2024-25

Session - 2024-25

दो वर्षीय-चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ति 2024)

Two Years-Four Semesters Master's Degree Programme (NEPv 24)

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत अनुवाद हिंदी /एम.ए.(अनुवाद हिंदी) द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र

Syllabus Programme: M.A.Translation Hindi Second Year (Semester-III)

तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र - 6

Major

Research Project (RP) Phase-I

शोध परियोजना (Project)

विषय सांकेतांक - TH402

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. ज्ञात से अज्ञात की ओर पहल करेंगे।
2. अनुसंधान के संसाधनों का प्रयोग करेगा।
3. छात्र सामग्री विश्लेषण की संकल्पना को पूर्ण करने में निष्णांत बनेंगे।
4. वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्र में अनुसंधान की प्रवृत्ति विकसित होंगी।

गतिविधि :

1- शोध प्रबंध कार्य पूर्ण करना।

2- शोध प्रबंध कार्य की मौखिकी देना।

अ.क्र.	प्रश्नपत्र के घटक	तासिकाएँ
1	शोध प्रबंध- संकल्पनात्मक परिचय, स्वरूप	15 तासिकाएँ
2	शोध प्रबंध- विषय चयन, पूर्वतयारी, रूपरेखा	15 तासिकाएँ
3	शोध प्रबंध- जानकारी संकलन/सामग्री संकलन	15 तासिकाएँ
4	शोध प्रबंध- जानकारी अध्ययन, अहवाल लेखन एवं विश्लेषण	15 तासिकाएँ

सूचना - शोध प्रबंध कार्य के लिए निम्नांकित विषय दिए गए है।

1. राजकीय, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक दृष्टि से अनुवाद का महत्व उपयोगिता
2. अनुवाद के क्षेत्रों का विवेचनात्मक अध्ययन
3. सामाजिक, सांस्कृतिक शैली का तथा अननुवादयता के संदर्भ में अनुवाद की सीमाओं का विश्लेषण
4. अनुवाद सिद्धांतों का विवेचनात्मक अध्ययन
5. यथोचित अनुवाद में अनुवाद के प्रकारों का महत्व
6. अनुवाद के साधन/ उपकरणों की उपयोगिता
7. वर्तमान में मशीनी अनुवाद के गुण-दोषों का विवेचन
8. बहुभाषिकता के संदर्भ में आशु अनुवादक और अनुवादक की भूमिका
9. अनुवाद: पुनरीक्षण, मूल्यांकन, संपादन तथा समीक्षा की महत्ता
10. अनुवाद में भाषा का-सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ
11. अनुवाद और भाषा विज्ञान तुलनात्मक अनुपयुक्त और व्यतिरेकी भाषा-विज्ञान
12. भाषा में शब्दों की उपयोगिता
13. हिंदी और अंग्रेजी के वाक्य विन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन
14. अंग्रेजी-हिंदी का व्यतिरेकी विश्लेषण
15. हिंदी साहित्य का इतिहास: एक पुनर्दृष्टि
16. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समाज को प्रदेय : कबीर साहित्य

17. सूरदास का भ्रमरगीतसार: एक विश्लेषण
18. समन्वयवादी तुलसीदास : एक विश्लेषण
19. समाज उत्थान में भक्तिकालीन कवियों का योगदान
20. रीतिकालीन कवियों की सामाजिक चेतना
21. नवजागरण काल के कवियों की भूमिका
22. साहित्यिक गद्य-पद्य विधाओं (किसी एक) का विश्लेषण
23. भाषा शिक्षण में भाषा के प्रकारों का विश्लेषण
24. भाषा शिक्षण में उपयोगी साधन सामग्री का विश्लेषण
25. भाषा कौशल और उसके विकास का अध्ययन
26. योग्यता प्राप्ति के लिए भाषा कौशल का महत्व
27. भाषा शिक्षण में व्यतिरेकी और त्रुटि विश्लेषण का महत्व
28. अधुनातन उपकरणों के माध्यम से हिंदी शिक्षण का अध्ययन
29. भाषा शिक्षण में निदानात्मक और उपचारात्मक विधियां
30. सामान्य भाषा से राजभाषा के विशिष्ट शब्दों का अंतर
31. कार्यालयीन हिंदी - प्रयुक्ति की शब्दावली
32. संप्रति भाषा नीति
33. संविधान में उल्लेखित प्रशासनिक दृष्टि से हिंदी के क्षेत्र क, ख, ग
34. यूनिकोड की वर्तमान स्थिति (विभिन्न कुंजीपटलों के संदर्भ में)
35. प्रकाशन व वेब प्रकाशन में आवश्यक साधन (word processing, Data processing Font प्रबंधन, तकनीकी व पद्धति)
36. साइबर क्राइम और कानून
37. दृश्यों का विवरण और उसका संवादों में रूपांतरण
38. त्योहारों पर SMS लेखन
39. जनसंपर्क कार्यक्रमों की योजना
40. सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में जनसंपर्क का उद्देश्य
41. सरकारी उद् घोषणाओं (चेतावनी, सलाह एवं सुझाव) का अनुवाद
42. वर्गीकृत विज्ञापन, दंड,शक्तियों,निविदाएं, हैंडबॉल,महाविद्यालयीन सूचनाओं के अनुवाद
43. संक्षिप्त पुस्तक परिचय
44. अनुवादक के अनुवाद - कार्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन
45. साहित्यिक क्षेत्रों के अनुवाद की समस्याओ का निराकरण
46. साहित्त्येतर क्षेत्रों के अनुवाद की समस्याओं का निराकरण
47. अनूदित कृतियो (हिंदी, मराठी, अंग्रेजी) का विश्लेषणात्मक अध्ययन
48. हिंदी साहित्य में बाल-साहित्य का समाज प्रदेय
49. बाल सतसई की मनोवैज्ञानिक विश्लेषण
50. विविध विमर्श का विश्लेषणात्मक अध्ययन (स्त्री, दलित, बाल, पुरूष,किन्नर)
51. पर्यावरण जागृती में हिंदी साहित्यकारों का योगदान
52. पर्यावरण संवर्धन में हिंदी साहित्यकारों का योगदान
53. जनसंचार माध्यम और पर्यावरण
54. अनूदित लोकसाहित्य का विश्लेषण
55. फिल्म डबिंग में अनुवाद एक विश्लेषणात्मक अध्ययन
56. विज्ञापन डबिंग में अनुवाद का महत्व
57. अनुवाद के संदर्भ में कोश विज्ञान की उपादेयता
58. साहित्यिक क्षेत्रों के कोश का विश्लेषणात्मक अध्ययन
59. साहित्त्येतर क्षेत्रों के कोश का विश्लेषणात्मक अध्ययन
60. भाषा के संदर्भ में ज्ञान कोश की उपादेयता
61. अध्येता कोश विश्लेषणात्मक अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1) अनुवाद भाषाएं समस्याएँ-एन.ई. विश्वनाथ अय्यर
2) साहित्यानुवाद संवाद और संवेदना - आरसु
3) काव्यानुवाद की समस्याएं - भोलानाथ तिवारी, महेन्द्र चतुर्वेदी
4) भारतीय भाषाएं और हिंदी अनुवाद, समस्या- समाधान - सं. कैलाशचंद्र भाटिया
5) राजभाषा हिंदी में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की दिशाएं - हरिमोहन
6) वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएं - भोलानाथ तिवारी
7) अनुवाद की समस्याएं - स. जी. गोपीनाथन एस गोस्वामी
8) कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं-भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी, अजीतलाल गुलाटी
9) अनुसंधान पद्धति और बौद्धिक संपदा अधिकार (Research Methodology and Intellectural Property Right), प्रो.डॉ. रवींद्रकुमार शिरसाट, प्रा. डॉ. चंदन विश्वकर्मा, 2024, वान्या पब्लिकेशंस, कानपुर
9) बैंकों में अनुवाद प्रविधि- सीता कुंचित पादम
10) कार्यालयी अनुवाद निदेशिका - जी.गोपीनाथ, श्रीवास्तव
11) अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
12) अनुवाद सिद्धांत और समस्याएं - रवीद्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी
13) अनुवाद: सिद्धात एवं अनुप्रयोग - नगेद्र
14) वृहद प्रशासन शब्दावली Glossary administrative Terms (मानव संसाधन विकास शिक्षा विभाग)
15) कार्यालय सहायिका केन्द्रीय सचिवालय हिंदी परिषद दिल्ली, मूल संपादक, हरिबाबू कंसले

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Faculty: Humanities

Session - 2024-25

भाग- ब (Part -B)

वाड्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) पाठयक्रम: एम.ए. अनुवाद हिंदी (एनईपी)

चतुर्थ सत्र (Semester-IV)

Sr. No.	Subject	Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Credits
1	DSC-I-4	TH41	अनुवाद:ऐतिहासिक संदर्भ एवं भाषा का सामाजिक संदर्भ	60 तासिकाएँ	4
2	DSCII-4	TH42	अनुवाद की समस्याएँ एवं समाधान	60 तासिकाएँ	4
3	DSC-III-4	TH43	अनुवाद प्रायोगिक एवं व्यावहारिक कार्य	60 तासिकाएँ	4
4	DSE-I-4	TH44	आधुनिक हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक व भाषागत परिचय	60 तासिकाएँ	4
	DSE-II-4	TH45	राजभाषा प्रशिक्षण		
	DSE-III-4	TH46	कोश विज्ञान		
5	DSC-III-4 Tutorial	TH404	मराठी से हिंदी अनुवाद	30 तासिकाएँ	2
6	Research Project Phase-II	TH403	शोध परियोजना (Project Work)	60 तासिकाएँ	6
			कुल श्रेयांक	-	24

सूचना :-

1. DSC प्रश्नपत्र अनिवार्य हैं।
2. DSE वैकल्पिक प्रश्नपत्र है जिसमें से किसी एक प्रश्नपत्र का चयन करना होगा।
3. Research Project प्रश्नपत्र सत्र 4 के लिए अनिवार्य होगा।
4. **DSC**-I(T.T**)** प्रश्नपत्र सत्र 4 में लेना अनिवार्य होगा।

शैक्षणिक वर्ष - 2024-25

Session - 2024-25

दो वर्षीय-चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ति 2024)

Two Years-Four Semesters Master's Degree Programme (NEPv 24)

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत अनुवाद हिंदी /एम.ए.(अनुवाद हिंदी) द्वितीय वर्ष - चतुर्थ सत्र

Syllabus Programme: M.A.Translation Hindi Second Year (Semester-IV)

चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र -1

DSC-I-4

अनुवाद: ऐतिहासिक संदर्भ एवं भाषा का सामाजिक संदर्भ

विषय सांकेतांक - TH41

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1) हिंदी साहित्यकारों के अनुवाद कार्य के योगदान का आकलन करेंगे।
2) अनुवाद प्रशिक्षण पाठ्यक्रम एवं अनुवाद क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं के कार्यों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3) पाश्चात्य एवं भारतीय अनुवाद चिंतकों के अनुवाद कार्य में योगदान एवं सिद्धांतों से छात्र परिचित होकर, उसे आत्मसात करेंगे।
4) पाश्चात्य एवं भारतीय अनुवादकों के अनुवाद शैली का ज्ञान आत्मसात कर,उसे व्यावहारिक रूप से प्रयुक्त करने में सक्षम बनेंगे।

गतिविधि:-

1) पाश्चात्य एवं भारतीय अनुवादकों के सिद्धांतों,विचार एवं शैली का अध्ययन करेंगे।
2) अनुवाद पाठ्यक्रम की महत्ता को समझकर, सफल अनुवादक बनेंगे।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई - 1	हिंदी साहित्य में अनुवाद की परंपरा	15 तासिकाएँ
इकाई - 2	अनुवाद प्रशिक्षण पाठ्यक्रम एवं अनुवाद क्षेत्र में कार्यरत संस्थाएं	15 तासिकाएँ
इकाई - 3	अनुवाद के क्षेत्र में प्रमुख विद्वानों का योगदान अ) भारतेंदू हरिश्चंद्र ब) मैथिलीशरण गुप्त क) मोहन राकेश ड) अब्दुर्रहीम खानखाना इ)राजेंद्र यादव ई) भोलानाथ तिवारी	15 तासिकाएँ
इकाई - 4	अनुवाद चिंतन :- 1) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' २) विष्णु प्रभाकर अनुवाद संबंधी विचार :- आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, एलेक्स सांद्र सेकेविच, मैथ्यू अर्नाल्ड	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन (चतुर्थ सत्र) -

1) दीर्घोत्तरी प्रश्न 4 x 12 = 48
2) लघूत्तरी प्रश्न 3 x 4 = 12

.....

60

आंतरिक मूल्यांकन

प्रायोगिक कार्य:-

1) पाश्चात्य एवं भारतीय अनुवादकों के अनुवाद कार्य का संक्षेप में परिचय - 20 अंक
2) विभागीय जाँच परीक्षा - 20 अंक

.....

40

कुल अंक - 100

सूचना-

1) चार इकाई से कुल सात दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।
2) चार इकाई से कुल छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1) अनुवाद: त्रैमासिक (जुलाई-सितम्बर तथा ऑक्टोबर-दिसम्बर १९९८ का संयुक्त अंक) भारतीय अनुवाद परिषद
2) अनुवाद कला के मूलस्त्रोत संपादक - गार्गी गुप्त-राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
3) अनुवाद कला- विश्वनाथ अय्यर

शैक्षणिक वर्ष - 2024-25

Session - 2024-25

दो वर्षीय-चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ति 2024)

Two Years-Four Semesters Master's Degree Programme (NEPv 24)

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत अनुवाद हिंदी /एम.ए.(अनुवाद हिंदी) द्वितीय वर्ष- चतुर्थ सत्र

Syllabus Programme: M.A.Translation Hindi Second Year (Semester-IV)

चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र - 2

DSC-II-4

अनुवाद की समस्याएं एवं समाधान

विषय सांकेतांक - TH42

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1) जनसंचार माध्यमों में अनुवाद कार्य कैसे करना चाहिए, इसका अध्ययन करेंगे।
2) प्रमुख प्राकृतिक विज्ञानों के अनुवाद का अभ्यास करेंगे।
3) वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याओं को समझेंगे।
4) अनुवाद पुनरीक्षण, मूल्यांकन, संपादन करेंगे।

गतिविधि:-

1) जनसंचार माध्यमों के अवतरणों का अनुवाद करेंगे।
2) प्राकृतिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी अवतरणों का अनुवाद करेंगे ।

अ.क्र.	प्रश्नपत्र के घटक	तासिकाएँ
इकाई - 1	जनसंचार माध्यमों में अनुवाद एवं व्यवहार, पत्र-पत्रिकाएं, आकाशवाणी, दूरदर्शन की सामग्री	15 तासिकाएँ
इकाई - 2	प्राकृतिक विज्ञान और प्रोद्योगिकी का अनुवाद, प्रमुख प्राकृतिक विज्ञानों (भौतिक विज्ञान, गणित, रसायनविज्ञान, जीवविज्ञान, वनस्पति विज्ञान)	15 तासिकाएँ
इकाई - 3	वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएं एवं समाधान	15 तासिकाएँ
इकाई - 4	अनुवाद पुनरीक्षण एवं संपादन (Vetting), प्रशासनिक अभिव्यक्तियां वाक्यांश (अंग्रेजी से हिंदी - हिंदी से अंग्रेजी)	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन (चतुर्थ सत्र) -

1) दीर्घोत्तरी प्रश्न 4 x 12 = 48
2) लघूत्तरी प्रश्न 3 x 04 = 12

.....

60

आंतरिक मूल्यांकन

प्रायोगिक कार्य:-

1) प्रायोगिक कार्य (अनुवाद - अंग्रेजी से हिंदी) 20 अंक
2) विभागीय जाँच परीक्षा 20 अंक

40

कुल अंक - **100**

सूचना-

1) चार इकाई से कुल सात दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।
2) चार इकाई से कुल छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान - मनोहर सराफ, डॉ.शिवाकरण गोस्वामी, विद्या प्रकाशन गोविन्द नगर, कानपूर.
2) अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी- शब्दकार, गरु अंगद नगर, दिल्ली
3) अनुवाद भाषाएँ - समस्याएँ - एन.ई.विश्वनाथ अमरज्ञान गंगा-चावजी बाजार, दिल्ली.
4) प्रारंभिक अनुवाद विज्ञान सिध्दांत और प्रयोग - अवधेश मोहन गुप्त - सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली
5) अनुवाद प्रक्रिया - रीतारानी पालीवाल - साहित्य तिथि, विश्वासनगर, शाहदरा, दिल्ली-32
6) अनुवाद- सिध्दांत एवं स्वरुप - मनोहर तथा शिवाकान्त गोस्वामी, विद्या प्रकाशन, कानपूर-6
7) अनुवाद सिध्दांत और प्रयोग- जी. गोपीनाथ - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद -1
8) अनुवाद सिध्दांत की रुपरेखा - सुरेश कुमार - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2
9) अनुवाद- सिध्दांत और समस्याएँ - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली-32
10) कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ - भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी, अजीतलाल
11) अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
12) भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
13) भाषा विज्ञान - सं.राजमल बोरा
14) हिन्दी भाषा - भोलानाथ तिवारी
15) राजभाषा हिन्दी के विविध आयाम - शंकर बुंदेले

शैक्षणिक वर्ष - 2024-25

Session - 2024-25

दो वर्षीय-चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ति 2024)

Two Years-Four Semesters Master's Degree Programme (NEPv 24)

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत अनुवाद हिंदी /एम.ए.(अनुवाद हिंदी) द्वितीय वर्ष- चतुर्थ सत्र

Syllabus Programme: M.A.Translation Hindi Second Year (Semester-IV)

चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र - 3

DSC-III- 4

अनुवाद प्रायोगिक एवं व्यावहारिक कार्य

विषय सांकेतांक - TH43

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. छात्र अनुवाद के माध्यम से साहित्यिक और साहित्येतर क्षेत्र की भाषा तकनीक को जानेगे।
2. अनुवाद की समतुल्य अभिव्यक्ति की पद्धति को आत्मसात करेंगे।
3. प्रादेशिक भाषा (मराठी) को उन्नत करने हेतु हिंदी अनुवाद एक सशक्त माध्यम सिद्ध होगा।
4. छात्र तकनीकी तथा वैज्ञानिक क्षेत्र के अनुवाद कार्य हेतु प्रोत्साहित होकर सक्षम अनुवादक बनने में सफल होंगे।

गतिविधि :-

1) पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग करेंगे।

2) शैलीगत अनुवाद का प्रयोग करेंगे।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई - 1	अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद व्यवहार	15 तासिकाएँ
इकाई - 2	हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद व्यवहार	15 तासिकाएँ
इकाई - 3	मराठी से हिंदी अनुवाद व्यवहार	15 तासिकाएँ
इकाई - 4	हिंदी से मराठी अनुवाद व्यवहार	15 तासिकाएँ
	निम्नलिखित क्षेत्रों में से उपर्युक्त चार इकाईयों के लिए पेपर में अनुवाद के अवतरण लेना अनिवार्य होगा। क्षेत्र - 1. साहित्यिक अनुवाद 2. साहित्येत्तर अनुवाद 1. **साहित्यिक-** कथा, कहानी, नाटक, निबंध, कविता, उपन्यास, रेखाचित्र, संस्मरण,यात्रावृत्तांत, समीक्षा, संक्षिप्त अनुवाद (सारानुवाद-मराठी से हिंदी) 2. **साहित्येत्तर -** कार्यलयीन, प्रशासनिक(पत्र), तकनीकी, इतिहास, समाज-विज्ञान,गणित विज्ञान, राजनितिशास्त्र, दर्शनशास्त्र, पर्यावरण, शिक्षा, मानविकी वाणिज्य (बैंक,बीमा,अर्थशास्त्र), सर्जनात्मक साहित्य,जनसंचार माध्यम (दृश्य-श्रव्य माध्यमों में लेखन, मीडिया लेखन, पटकथा लेखन)	

अंक विभाजन (तृतीय सत्र)

१) इकाई - 1. अवतरण	10 x 2	=	20
२) इकाई - 2. अवतरण	10 x 2	=	20
३) इकाई - 3. अवतरण	10 x 1	=	10
4) इकाई - 4. अवतरण	10 X 1	=	10

कुल अंक- 60

आंतरिक मूल्यांकन - प्रायोगिक कार्य

१) निबंध - अंग्रेजी और हिंदी	20 अंक
२) विभागीय जाँच परीक्षा	20 अंक

---

40 अंक

कुल अंक - 100

सूचना-

1. इकाई एक से कुल चार अवतरण पूछे जायेंगे जिनमें से दो अवतरण हल करना अनिवार्य होगा। इस इकाई के अवतरण के लिए कम से कम 200 शब्दों का अवतरण होना अनिवार्य है।
2. इकाई दो से कुल चार अवतरण पूछे जायेंगे जिनमें से दो प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। इस इकाई के अवतरण के लिए कम से कम 200 शब्दों का अवतरण होना अनिवार्य है।
3. इकाई तीन से कुल दो अवतरण पूछे जायेंगे जिसमें से एक हल करना अनिवार्य होगा। इस इकाई के अवतरण के लिए कम से कम 200 शब्दों का अवतरण होना अनिवार्य है।
4. इकाई चार से कुल दो अवतरण पूछे जायेंगे जिसमें से एक हल करना अनिवार्य होगा। इस इकाई के अवतरण के लिए कम से कम 200 शब्दों का अवतरण होना अनिवार्य है।

विशेष - छात्रों को एम.ए. ((अनुवाद हिंदी) भाग-२ के प्रश्नपत्र २ के लिए परीक्षा भवन में कोश ग्रंथों **(Dictionary)** के उपयोग की छूट होगी।

चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 4, DSE-I
A) आधुनिक हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक व भाषागत परिचय
विषय सांकेतांक - TH44

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1) हिंदी साहित्य के आधुनिक काल के साहित्यकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।
2) जयशंकर प्रसाद एवं रामधारी सिंह दिनकर के काव्यगत विशेषताओं से अवगत होंगे।
3) बाणभट्ट की आत्मकथा एवं मृगनयनी उपन्यासों से बोध लेकर,उपन्यास के तत्वों को आत्मसात करेंगे।
4) साहित्य की प्रमुख विधा नाटक का समग्र रूप से अध्ययन कर, नाटक लेखन कर सकेंगे।
5) कहानी के माध्यम से छात्र मनोवैज्ञानिक बोध ग्रहण कर,उनके व्यक्तित्व का कर सकेंगे।

गतिविधि :-

1) आधुनिक हिंदी साहित्य की विधाओं का अध्ययन करेंगे।
2) आधुनिक हिंदी साहित्य एवं साहित्यकारों की कृतियों का अध्ययन करेंगे।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई-1	काव्य :- 1. मुक्तिबोध- अंधेरे में, ब्रह्मराक्षस 2. रामधारीसिंह 'दिनकर' - रश्मिरथी	15 तासिकाएँ
इकाई-2	उपन्यास:- 1. हजारीप्रसाद द्विवेदी - बाणभट्ट की आत्मकथा 2. अज्ञेय - शेखर एक जीवनी	15 तासिकाएँ
इकाई-3	नाटक :- 1. भारतेन्दु हरिश्चंद्र - अंधेर नगरी 2. सुरेन्द्र वर्मा - आठवां सर्ग	15 तासिकाएँ
इकाई-4	कहानियाँ :- 1. प्रेमचंद - ईदगाह 2. यशपाल - करवा का व्रत 3. मन्नू भंडारी - मैं हार गई निबंध :- 1. आम फिर बौरा गये - आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन (तृतीय सत्र) -

2) संदर्भ सहित व्याख्या — 2 x 8 = 16
3) दीर्घोत्तरी प्रश्न — 2 x 12 = 24
4) लघूत्तरी प्रश्न — 5 x 4 = 20

कुल अंक- 60

आंतरिक मूल्यांकन :

प्रायोगिक कार्य:-

1) आधुनिक हिंदी साहित्य के किसी भी एक कहानी एवं निबंध का व्याख्यात्मक लेखन - 20 अंक
2) विभागीय जाँच परीक्षा - 20 अंक

40

कुल अंक - 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप :-

प्रश्न 1- इकाई - 1, 2 एवं 3 से एक-एक पद्यांश और गद्यांश (कुल-5) के व्याख्या पूछे जायेंगे, जिनमें से दो व्याख्या करनी पड़ेगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 8 अंक होगे।

प्रश्न 2 - चार इकाई से दीर्घोत्तरी (कुल 5) प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

प्रश्न 3 - चार इकाई से कुल सात लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पाँच प्रश्न हल करना अनिवार्य

होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1) चिन्तामणी आ. रामचंद्र शुक्ल
2) श्रेष्ठ कहानियों - मन्नू भंडारी
3) प्रतिनिधि कहानियों- राजेन्द्र यादव
4) कहानी विविधा - देवीशंकर अवस्थी
5) मानसरोवर - प्रेमचंद
6) कल्पलता- हजारीप्रसाद द्विवेदी
7) परसाई रचनावली- भाग- ३
8) हिंदी रामकाव्य में भगवान राम का चरित्र - शंकर बुंदेले
9) प्रेमचंद कथा साहित्य - समीक्षा और मूल्यांकन - धर्मध्वज त्रिपाठी
10) हिंदी नाटक : मूल्य चिंतन और रंगदृष्टि, ओमप्रकाश सारस्वत
11) मोहन राकेश और उनके नाटक - गिरिश रस्तोगी
12) हिंदी कहानी प्रक्रिया और पाठ, सुरेंद्र चौधरी, दिनकर सं. सावित्री सिन्हा

शैक्षणिक वर्ष - 2024-25

Session - 2024-25

दो वर्षीय-चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ति 2024)

Two Years-Four Semesters Master's Degree Programme (NEPv 24)

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत अनुवाद हिंदी /एम.ए.(अनुवाद हिंदी) द्वितीय वर्ष- चतुर्थ सत्र

Syllabus Programme: M.A.Translation Hindi Second Year (Semester-IV)

चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र - 4

DSE-II-4

B) राजभाषा प्रशिक्षण

विषय सांकेतांक - TH45

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1) कार्यालयीन हिंदी का व्यवस्थित ज्ञान प्राप्त करेंगे।
2) राजभाषा के अनुप्रयोगात्मक पक्ष को आत्मसात करेंगे।
3) राजभाषा हिंदी के अनुप्रयोग की स्थिति को समझ सकेंगे।
4) प्रशासनिक हिंदी का संगणकीय ज्ञान प्राप्त करेंगे।

गतिविधि:-

1) प्रशासनिक पत्राचार के अनुवाद कार्य का प्रयोग करेंगे।
2) विभिन्न कार्यालयी क्षेत्रों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग करेंगे।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई - 1	राजभाषा (कार्यलयी हिंदी) की प्रकृति। राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष: हिंदी आलेखन, टिप्पण, संक्षेपण तथा पत्राचार।	15 तासिकाएँ
इकाई - 2	कार्यालय अभिलेखों के हिंदी अनुवाद की समस्या, केंद्र एवं राज्य शासन के विभिन्न मंत्रालयों में हिन्दीकरण की प्रगति।	15 तासिकाएँ
इकाई - 3	बैंकिंग,बीमा और अन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिंदी अनुप्रयोग की स्थिति।	15 तासिकाएँ
इकाई - 4	विधिक क्षेत्र में हिंदी। सूचना प्रोद्योगिकी (संचार माध्यमों) के परिप्रेक्ष्य में हिंदी और देवनागरी लिपि।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन (चतुर्थ सत्र) -

1) दीर्घोत्तरी प्रश्न 4 x 12 = 48
2) लघूत्तरी प्रश्न 3 x 4 = 12

.....

60

आंतरिक मूल्यांकन

प्रायोगिक कार्य:-

1) कार्यालयीन हिंदी पत्राचार 20 अंक
2) विभागीय जॉच परीक्षा 20 अंक

40

कुल अंक - 100

सूचना-

1) चार इकाई से कुल सात दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।
2) चार इकाई से कुल छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची -

1) प्रयोजनमूलक हिन्दी(Functional Hindi) - प्रो.डॉ. रवींद्रकुमार शिरसाट, प्रा. डॉ. चंदन विश्वकर्मा, वान्या पब्लिकेशंस, कानपुर, 2024
2) राजभाषा हिंदी में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की दिशाएं - हरिमोहन
3) कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं- भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी, अजीतलाल गुलाटी
4) बैंकों में अनुवाद प्रविधि- सीता कुंचित पादम
5) कार्यालयी अनुवाद निदेशिका - जी.गोपीनाथ, श्रीवास्तव
6) अनुवाद सिद्धांत और समस्याएं - रवीद्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी
7) वृहद प्रशासन शब्दावली Glossary administrative Terms (मानव संसाधन विकास शिक्षा विभाग)
8) कार्यालय सहायिका केन्द्रीय सचिवालय हिंदी परिषद दिल्ली, मूल संपादक, हरिबाबू कंसले
9) प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी - गोस्वामी कृष्णकुमार, प्रभा प्रकाशन, दिल्ली, 2010
10) प्रयोजनमूलक भाषा - श्रीवास्तव रवीन्द्रनाथ, जयभारती प्रकाशन, कानपुर, 2008
11) प्रयोजनमूलक भाषा -गोदरे विनोद, अमन प्रकाशन, इलाहबाद, 2013
12) प्रयोजनमूलक हिन्दी - माधव सोनटक्के, सरस्वती प्रकाशन, दिल्ली, 2011
13) प्रयोजनी हिन्दी स्वरुप और व्यापकता - गोपाल शर्मा, अमन प्रकाशन, इलाहबाद, 2015
14) इक्कीसवीं सदी और हिन्दी पत्रकारिता - सं.अमरेद्र कुमार निशांत सिंह सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली
15) जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता - अर्जुन तिवारी, जयभारती प्रकाशन, लालजी मार्केट, मायन प्रेस रोड, इलाहाबाद, 2017
16) संपादित पुस्तक प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद- बुंदेले शंकर, बोके प्रिन्टर्स, अमरावती
17) राजभाषा हिंदी के नवोन्मेषी आयाम राहुल खटे,अंजनी प्रकाशन, कोलकता, 2024

शैक्षणिक वर्ष - 2024-25

Session - 2024-25

दो वर्षीय-चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ति 2024)

Two Years-Four Semesters Master's Degree Programme (NEPv 24)

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत अनुवाद हिंदी /एम.ए.(अनुवाद हिंदी) द्वितीय वर्ष- चतुर्थ सत्र

Syllabus Programme: M.A.Translation Hindi Second Year (Semester-IV)

चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र - 4

DSE -III- 4

C) कोश विज्ञान

विषय सांकेतांक - TH46

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1) कोश विज्ञान में कोश निर्माण की सैद्धांतिक उपयोगिता को समझेंगे।
2) कोश की प्रविष्टि एवं संरचना को आत्मसात कर,कोश प्रविष्टि कला का अनुप्रयोग करेंगे।
3) पाश्चात्य एवं भारतीय कोश परंपरा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझकर, हिंदी के प्रमुख कोश एवं कोशकार के योगदान से अवगत होंगे।
4) कोश विज्ञान के माध्यम से छात्र सटिक अनुवाद करने में सक्षम होंगे साथ ही भाषिक स्तर विकसित होंगा।

गतिविधि:-

1) समग्र कोश का ज्ञानार्जन कर,अनुवाद कार्य में प्रयोग।
2) भाषास्तर को वृद्धिगत करने हेतु कोश का उपयोग

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई - 1	प्रविष्टि संरचना, रूपिम, शब्द और शब्दिम, सरल, व्युत्पन्न और सामाजिक शब्दिम, सामाजिक शब्दिम सहप्रयोगात्मक व्युत्पादक समास, सहप्रयोग और संदर्भ।	15 तासिकाएँ
इकाई - 2	कोश निर्माण की समस्याएं :- समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोशों के संदर्भ में अलिखित भाषाओं का कोश-निर्माण।	15 तासिकाएँ
इकाई - 3	कोशविज्ञान और अन्य विषयों का संबंध :- कोशविज्ञान और स्वनविज्ञान, व्याकरण, व्युत्पत्तिशास्त्र और अर्थविज्ञान का संबंध।	15 तासिकाएँ
इकाई - 4	पाश्चात्य कोश परंपरा, भारतीय कोश परंपरा तथा हिंदी कोश साहित्य का इतिहास। हिंदी के प्रमुख कोश और कोशकार।	15 तासिकाएँ

1) दीर्घोत्तरी प्रश्न 4 x 12 = 48
2) लघूत्तरी प्रश्न 3 x 4 = 12

.....

कुल अंक - 60

आंतरिक मूल्यांकन

प्रायोगिक कार्य:-

1) ज्ञानकोश में उपलब्ध (10) शब्दों का विश्लेषणात्मक प्रस्तुतीकरण 20 अंक
2) विभागीय जॉच परीक्षा 20 अंक

.....

40

कुल अंक- 100

सूचना-

1) चार इकाई से कुल सात दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

2) चार इकाई से कुल छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. कोश विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भारतीय व्यवहार कोश - सं. विश्वास नाखंगे (सोलह भाषाओं का शब्दकोश)
3. कोश निर्माण-प्रविधि एवं प्रयोग- सं. प्रो. त्रिभुवननाथ शुक्ल
4. मानक हिंदी कोश- सं. रामचंद्र वर्मा (हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, खंड-1,2,3,4)
5. अखिल भारतीय महिला चरित्र कोश- खंड-1
6. अनुवाद विज्ञान - डॉ. नगेंद्र
7. अनुवाद विज्ञान की भूमिका - कृष्णकुमार गोस्वामी, प्रकाशक राजकमल प्रकाशक, नई दिल्ली
8. भाषा विज्ञान कोश- भोलानाथ तिवारी, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी
9. कोश विज्ञान- शब्दकोश और विश्वकोश- डॉ. ममता धवन
10. कोश विज्ञान- शब्दकोश और विश्वकोश- दर्शन पाण्डेय
11. कोश विज्ञान सिद्धांत एवं प्रयोग - उच्च शिक्षा और शोध संस्थान

शैक्षणिक वर्ष - 2024-25

Session - 2024-25

दो वर्षीय-चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ति 2024)

Two Years-Four Semesters Master's Degree Programme (NEPv 24)

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत अनुवाद हिंदी /एम.ए.(अनुवाद हिंदी) द्वितीय वर्ष- चतुर्थ सत्र

Syllabus Programme: M.A.Translation Hindi Second Year (Semester-IV)

चतुर्थ सत्र

DSC-III.4 - Tutorial

मराठी से हिंदी अनुवाद

विषय सांकेतांक - TH403

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1) छात्र रुचिनुसार अनुवाद करने में सक्षम होंगे।
2) क्षेत्रीय भाषा में अनुवाद कार्य कर, उस भाषा को विकसित करने में योगदान देंगे।
3) व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक तौर पर अनुवाद कार्य के लिए स्वर्णिम अवसर प्राप्त होंगे।
4) अनुवाद परियोजना का कार्य छात्र को भविष्य में रोजगार प्राप्ति के लिए उपयुक्त है।

गतिविधि :-

1. अनुवाद कार्य की अनुवाद परियोजना बनाना।
2. अनुवाद कार्य की मौखिकी देना।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
1	क) किसी प्रयुक्ति विशेष के अंतर्गत 25 पृष्ठ सामग्री का मराठी से हिंदी में अनुवाद	30 तासिकाएँ

अ.क्र.	**लिखित-निबंध / स्वाध्याय / प्रस्तुतीकरण**	**मौखिक परीक्षा**	**कुल गुण**
1	40	10	50

शैक्षणिक वर्ष - 2024-25

Session - 2024-25

दो वर्षीय-चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ति 2024)

Two Years-Four Semesters Master's Degree Programme (NEPv 24)

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत अनुवाद हिंदी /एम.ए.(अनुवाद हिंदी) द्वितीय वर्ष- चतुर्थ सत्र

Syllabus Programme: M.A.Translation Hindi Second Year (Semester-IV)

चतुर्थ सत्र

Research Project (RP) Phase-II

शोध परियोजना (Project) TH404

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. छात्रों क्षेत्रानुसंधान प्रवृत्ति विकसित होंगी।
2. छात्रों की अनुवाद में अनुसंधान की जिज्ञासा बढेगी।
3. नवीनतम शोध कार्य करने में छात्र निष्णांत होंगे।
4. शोध सामग्री, संसाधन तथा उपकरण का उपयोग करने में निपुण होंगे।
5. अनुसंधानकर्ता अभिष्ट की प्राप्ति करने में सक्षम होंगे।

गतिविधि :

1- शोध प्रबंध कार्य पूर्ण करना।

2- शोध प्रबंध कार्य की मौखिकी देना।

अ.क्र.	प्रश्नपत्र के घटक	तासिकाएँ
1	शोध प्रबंध- संकल्पनात्मक परिचय, स्वरूप	15 तासिकाएँ
2	शोध प्रबंध- विषय चयन, पूर्वतयारी, रूपरेखा	15 तासिकाएँ
3	शोध प्रबंध- जानकारी संकलन/सामग्री संकलन	15 तासिकाएँ
4	शोध प्रबंध- जानकारी अध्ययन, अहवाल लेखन एवं विश्लेषण	15 तासिकाएँ

सूचना :

छात्र पाठ्यक्रम में दिये गए प्रश्नपत्र से संबंधित विषय का चयन शोध परियोजना के लिए कर सकते है।

Ancillary Credit Courses :-

अ.क्र.	प्रश्नपत्र का प्रकार	स्वरूप	पाठ्यक्रम	तासिकाएँ	श्रेयांक
1	सेवाधीन प्रशिक्षण (Internship) /कार्यानुभव (Work Experience) /क्षेत्र कार्य (Fild Work)	अनिवार्य	महाविद्यालय/ स्नात्तकोत्तर विभाग की ओर से मान्यता प्राप्त संस्था कार्यालयों में उदा. समाचार-पत्र आकाशवाणी, टीव्ही चॅनल्स, जनसंपर्क कार्यालय, प्रकाशन संस्था साहित्य विषयक कार्य करनेवाली संस्था आदि स्थानों पर हिंदी विषयक लेखन कार्य की सेवा देना अथवा लेखन-संपादन, अनुवाद विषयक कार्यों का अनुभव लेना।	60/90	2/3
			क्षेत्र-कार्य अनुवाद विषयक प्रश्नपत्रिका के संदर्भ में ग्रंथालय अनूदित ग्रंथों/ पुस्तकों का विश्लेषण, जानकारी संकलन		
2	Open Elective Courses	ऐच्छिक	पाठ्यक्रमानुसार		कम- से-कम 5
3	Co-curricular/ Extracurricular Activities	ऐच्छिक	वक्तृत्व, वादविवाद, काव्य, निबंध, अनुवाद स्पर्धाएं और विविध शैक्षणिक तथा विस्तार उपक्रम (विद्यापीठ निदेश क्र. 57/22 के अनुसार)		कम- से-कम 5

(सेवानुभव/कार्यानुभव/क्षेत्रकार्य पूर्ण करना अनिवार्य होगा। किए गए कार्य का प्रमाणपत्र विभाग प्रमुख तथा प्राचार्य के हस्ताक्षरसहित प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।)

*** कुल श्रेयांक के कम-से-कम 10 प्रतिशत श्रेयांक छात्र को Ancillary Credit Courses से प्राप्त करना है। अर्थात कम-से-कम 8 श्रेयांक Ancillaey Credit Courses से प्राप्त करना अनिवार्य है।**

Open Elective Courses

अ.क्र.		प्रश्नपत्रिका का प्रकार		प्रश्नपत्रिका	तासिकाएँ	श्रेयांक
1	Open Elective Courses	General Interest Courses	GIC 1	पुरस्कृत अनूदित कृतियाँ	15	1
			GIC 2	लोकप्रिय अनूदित साहित्य	15	1
			GIC 3	हिंदी गजल	15	1
		Skill Courses	Skill Courses	विभागीय कार्यक्रमों में सूत्रसंचालन	15	1
			Skill Courses	विभागीय कार्यक्रमों का समन्वयन	15	1
			Skill Courses	स्तरीय हिंदी लेखन	15	1

Open Elective Courses छात्र को स्वअध्ययन द्वारा पूर्ण करना है, इसके लिए छात्र स्वयं पाठ्यक्रम देखे। छात्रों को इस प्रश्नपत्रिकाओं के लिए मार्गदर्शक अध्यापक नियुक्त किए जायेंगे।

* कुल 82 श्रेयांक से कम-से-कम 10 प्रतिशत श्रेयांक अर्थात 8 श्रेयांक छात्र को Ancillaey Credit Courses से प्राप्त करना अनिवार्य है। Ancillaey Credit Courses के अंतर्गत छात्र Open Elective Courses से उपरोक्त तालिका में दिए गए श्रेयांक पद्धति के अनुसार श्रेयांक प्राप्त कर सकते है।

* अन्य पाठ्यक्रम अथवा अन्य विद्याशाखा के छात्र भी GIC, Skill Courses इस पाठ्यक्रम की प्रश्नपत्रिका का चयन कर श्रेयांक प्राप्त कर सकते है।

शैक्षणिक वर्ष - 2024-25

Session - 2024-25

दो वर्षीय-चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ति 2024)

Two Years-Four Semesters Master's Degree Programme (NEPv 24)

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत अनुवाद हिंदी /एम.ए.(अनुवाद हिंदी) द्वितीय वर्ष- चतुर्थ सत्र

Syllabus Programme: M.A.Translation Hindi Second Year (Semester-IV)

कुल श्रेयांकों का विभाजन

अ.क्र.	एम.ए. अनुवाद हिंदी पाठयक्रम योजना	प्रश्नपत्रिका	कुल अंक	कुल श्रेयांक (उपलब्ध अधिक-से-अधिक श्रेयांक)	प्रश्नपत्रिका (DSC & DSE) कम-से-कम पूर्णता	प्रश्नपत्रिका (Other) (RP& DSC-I&II (TT) कम-से-कम पूर्णता	Ancillaey Credit Courses कम-से-कम पूर्णता
1	सत्र 1	5	500	16	कम-से-कम 82 प्रतिशत श्रेयांक	RP- 5 श्रेयांक DSC-I&II (TT) - 3 श्रेयांक	कुल श्रेयांकों का कम-से-कम 10 प्रतिशत श्रेयांक
2	सत्र 2	4	400	16			
3	सत्र 3	4	400	25			
4	सत्र 4	4	400	25			
		17	1700	82	90 श्रेयांक	8 श्रेयांक	8 श्रेयांक

1. एम.ए. अनुवाद हिंदी पाठयक्रम का कुल श्रेयांक **1700** का है।
2. छात्र चार सत्र के DSC & DSE प्रश्नपत्रिका के कुल पाठ्यक्रम से कम-से-कम 82 प्रतिशत श्रेयांक प्राप्त कर सकते है।
3. छात्र को RP & DSC(TT)प्रश्नपत्रिका से कम-से-कम 82 प्रतिशत श्रेयांक प्राप्त करना अनिवार्य है।
4. छात्र को कुल 82 श्रेयांक के कम-से-कम 10 प्रतिशत श्रेयांक अर्थात 8 श्रेयांक Ancillaey Credit Courses से प्राप्त करना अनिवार्य है।